No. of Printed Pages : 4

MTT-019 F2F

00002

M.A. IN TRANSLATION STUDIES (MATS)

Term-End Examination

December, 2011

MTT-019 F2F : POLITICS OF TRANSLATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *All questions are* ***compulsory.***

1. The Ram Katha tradition has undergone process of appropriation through translation. Discuss. **20**

OR

Write a critical note on appropriation as politics of translation.

2. Discuss the role of translation in the discipline of Indology. **20**

OR

What were the challenges in interpreting and translating India through the English language in the colonial period ?

3. Critically evaluate the debate over interpreting and translating the Bawi practice in colonial India. 20

OR

Do you observe any difference in the approaches of Christian missionaries and colonial government on the objective and nature of translation ?

4. Discuss translations among Indian languages as part of the Indian national movement. 20

OR

Critically evaluate the aims and objectives of translations of European literature in Indian languages in the 19th and early 20th centuries.

5. What is Diaspora literature ? What are the debates in translating Diaspora literature ? 20

OR

Discuss the contributions of Gayatri Spivak in approaches to translation in contemporary India.

अनुवाद अध्ययन में एम.ए. (एम.ए.टी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2011

एम.टी.टी. - 019 F2F : अनुवाद की राजनीति

समय : 3 घंटे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

1. 'रामकथा परंपरा, अनुवाद के जरिए विनियोगीकरण की प्रक्रिया से गुजरी है।' चर्चा कीजिए। 20

अथवा

अनुवाद की राजनीति के रूप में विनियोगीकरण पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए।

2. भारत-विद्या संबंधी अध्ययन में अनुवाद की भूमिका की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

उपनिवेशकाल में अंग्रेजी भाषा के जरिए भारतीय छवि की व्याख्या और उसका अनुवाद करने की चुनौतियाँ क्या रही हैं?

3. औपनिवेशिक भारत में बावी प्रथा की व्याख्या और उसके अनुवाद व्याख्या से संबंधित विवाद का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 20

अथवा

अनुवाद की प्रकृति और उद्देश्य के बारे में ईसाई मिशनरियों और औपनिवेशिक सरकार के दृष्टिकोणों में क्या आपको कोई अन्तर दिखाई देता है?

4. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के एक अंग के रूप में भारतीय भाषाओं के बीच परस्पर अनुवादों पर चर्चा कीजिए। 20

अथवा

19 वीं शताब्दी और 20 वीं शताब्दी के आरंभ में यूरोपीय साहित्य के भारतीय भाषाओं में अनुवादों के उद्देश्यों और लक्ष्यों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

5. प्रवासी साहित्य क्या है? प्रवासी साहित्य के अनुवाद में वाद-विवाद क्या हैं? 20

अथवा

समकालीन भारत में अनुवाद के दृष्टिकोणों में गायत्री स्पिवाक के योगदान की चर्चा कीजिए।